कुल मुद्रित पृष्ठों की संख्या: 06

परमाणु ऊर्जा शिक्षण संस्था

आवधिक परीक्षण 1 (2025-26)

विद्यालय: परमाणु ऊर्जा केन्द्रीय विद्यालय, केंद्र: मैसूर

कक्षा: IX (नवीं) **विषय: हिन्दी** **अंक: 40**

दिया गया पाठ्यक्रम: दो बैलों की कथा, ल्हासा की ओर, साखियाँ एवं सबद, वाख, अनुच्छेद, पत्र, व्यवहारिक व्याकरण

विद्यार्थी का नाम: ____

अनुक्रमांक.______ कक्षा/अनुभाग:______ दिनांक: __________

(खंड़ - क अपठित बोध)

प्रश्न 1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। (5 अंक)

‘घर’ जैसा छोटा-शद्व भावात्मक दृष्टि से बहुत विशाल होता है। इस आधार पर मकान, भवन, फ्लैट, कमरा, कोठी, बैंगला आदि। इसके समानार्थी बिलकुल भी नहीं लगते हैं, क्योंकि इनका सामान्य संबंध दीवारों, छतों और बाहरी व आंतरिक साज-सज्जा तक सीमित होता है, जबकि घर प्यार-भरोसे और रिश्तों की मिठास से बनता है। एक आदर्श घर वही है, जिसमें प्रेम व भरोसे की दीवारें, आपसी तालमेल की छतें, रिश्तों की मधुरता के खिले-खिले रंग, स्नेह, सम्मान व संवेदनाओं की सज्जा हो। घर में भावात्मकता है, वह भावात्मकता, जो संबंधों को महकाकर परिवार को जोड़े रखती है। यह बात हमें अच्छी तरह याद रखनी चाहिए कि जब रिश्ते महकते हैं, तो घर महकता है, प्यार अठखेलियाँ करता है, तो घर अठखेलियाँ करता है, रिश्तों का उल्लास घर का उल्लास होता है, इसलिए रिश्ते हैं, तो घर है और रिश्तों के बीच बहता प्रेम घर की नींव है। यह नींव जितनी मजबूत होगी, घर उतना ही मजबूत होगा। न जाने क्यों, आज का मनुष्य संवेदानाओं से दूर होता जा रहा है, उसके मन की कोमलता, कठोरता में बदल रही है, दिन-रात कार्य में व्यस्त रहने और धनोपार्जन की अति तीव्र लालसा से उसके अंदर मशीनियत बढ़ रही है, इसलिए उसके लिए घर के मायने बदल रहे हैं, उसकी अहमियत बदल रही है, इसी कारण आज परिवार में आपसी कलह, द्वंद्व आदि बढ़ रहे हैं। आज की पीढ़ी प्राइवेसी (वैयक्तिकता) के नाम पर एकाकीपन में सुख खोज रही है। उसकी सोच ‘मेरा कमरा, मेरी दुनिया’ तक सिमट गई है। एक छत के नीचे रहते हुए भी हम एकाकी होते जा रहे हैं। काश, सब घर की अहमियत समझें और अपना अहं हटाकर घर को घर बनाए रखने को प्रयास करें।

(1) भावात्मक दृष्टि से घर जैसे छोटे-से शद्ब की 'विशालता' में निहित हैं-
कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए- **(1 अंक)**

कथन
(i) प्रेम, विश्वास, नातों का माधुर्य व संवेदनाएँ
(ii) आकर्षक बनावट, सुंदर लोग, वैभव व संपन्नता
(iii) सुंदर रंग संयोजन, आंतरिक सजावट एवं हरियाली
(iv) स्नेह, सम्मान, सरसता, संवेदनाएँ, संपन्नता व साज-सज्जा

विकल्प
(क) कथन (i) सही है।
(ख) कथन (i) व (ii) सही हैं।
(ग) कथन (ii) व (iii) सही हैं।
(घ) कथन (iii) व (iv) सही हैं।

(2) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए। **(1 अंक)**
कथन (A): आदमी के अंदर संवेदनाओं की जगह मशीनियत बढ़ती जा रही है।
कारण (R): व्यस्तता और अर्थोपार्जन की अति महत्वाकांक्षा ने उसे यहाँ तक पहुँचा दिया है।

(क) कथन (A) गलत है, किंतु कारण (R) सही है।
(ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
(घ) कथन (A) सही है, किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

(3) आज का मनुष्य संवेदनाओं से दूर क्यों होता जा रहा है? **(2 अंक)**

प्रश्न 2.निम्नलिखित दो पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **(5 अंक)**

सच हम नहीं, सच तुम नहीं, सच है महज संघर्ष ही।।
संघर्ष से हटकर जिए तो क्या जिए हम या कि तुम
जो नत हुआ, वह मृत हुआ, ज्यों वृंत से झरकर कुसुम
जो पंथ भूल रुका नहीं, जो हार देख झुका नहीं,
जिसने मरण को भी लिया हो जीत, है जीवन वही।। सच हम नहीं...........
ऐसा करो जिसमें न प्राणों में कहीं जड़ता रहे।
जो है जहाँ चुपचाप अपने आप से लड़ता रहे।
जो भी परिस्थितियाँ मिलें,
काँटे चुभे, कलियाँ खिलें,
टूटे नहीं इनसान, बस संदेश यौवन का यही।। सच हम नहीं.........
अपने हृदय का सत्य अपने आप हमको खोजना।
अपने नयन का नीर अपने आप हमको पोंछना।
आकाश सुख देगा नहीं,

धरती पसीजी है कहीं—
हर एक राही को भटककर ही दिशा मिलती रही।। सच हम नहीं..........

(1) इस कविता के केंद्रीय भाव हेतु दिए गए कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनिए। **(1 अंक)**

कथन

(i) प्रतिकूलता के विरुद्ध जूझते हुए बढ़ना ही जीवन की सच्चाई है।

(ii) परिस्थितियों से समझौता करके जोखिमों से बचना ही उचित है।

(ii) लक्ष्य-संधान हेतु मार्ग में भटक जाने का भय त्याग देना चाहिए।

(iv) जीवन में 'अपने छाले, खुद सहलाने' का दर्शन अपनाना चाहिए।

विकल्प

(क) कथन (ii) सही है। (ख) कथन (i) व (iii) सही है।

(ग) कथन (1), (ii) व (iv) सही हैं। (घ) कथन (i), (ii), (iii) व (iv) सही हैं।

(2) युवावस्था हमें सिखाती है कि कथन पढ़कर सही विकल्प का चयन कीजिए। **(1 अंक)**

कथन

(i) स्वयं को चैतन्य, गतिशील, आत्मआलोचक व आशावादी बनाए रखें।

(ii) सजग रहें; जीवन में कभी कठिन परिस्थितियाँ उत्पन्न ही न होने दें।

(iii) सुख-दुःख, उतार-चढ़ाव को भाग्यवादी बनकर स्वीकार करना सीखें।

(iv) प्रतिकूल परिस्थितियों के आगे घुटने न टेकें; बल्कि दो-दो हाथ करें।

विकल्प

(क) कथन (i) व (ii) सही हैं। (ख) कथन (1) व (iv) सही हैं।

(ग) कथन (ii) व (iii) सही हैं। (घ) कथन (iii) व (iv) सही हैं।

(3) कविता के माध्यम से कवि यौवन का क्या संदेश देता है? (2 अंक)

(खंड -ख व्यवहारिक व्याकरण)

प्रश्न 3. नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए - (8 अंक)

(i) हीरा ने कहा-गया के घर से नाहक भागे। (वाक्य भेद बताइए) **(1 अंक)**

(ii) हीरा ने कहा-गया के घर से नाहक भागे। (उपवाक्य छाँटकर लिखिए) **(1 अंक)**

(iii) **"दाँतों पसीना आना"** मुहावरे का सही अर्थ होगा ? **(1 अंक)**

(iv) नीचे दिए गए शब्दों में से उपसर्ग छांटकर लिखिए । (1 अंक)

- प्रहार * सुरक्षा

(v) नीचे दिए गए शद्बों के तत्सम रूप लिखिए । **(1 अंक)**

- अनत * जोग,

(vi) ' डाँडे ' शद्ब में उचित विशेषण लगाइए । **(1 अंक)**

(vii) नीचे दिए गए वाक्य को दो अलग-अलग तरीके से लिखिए । **(2 अंक)**

'जान नहीं पड़ता था कि घोड़ा आगे जा रहा है या पीछे।'

(खंड - ग पठित बोध)

प्रश्न 4. निम्नलिखित पठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X3= 3 अंक)

डाकुओं के छिपने की यह सबसे सुरक्षित जगह थी। ओर सरकार भी इस तरफ लापरवाह थी। इसीलिए यहाँ अक्सर लूटपाट व हत्यायें हो जाती थी। चूँकि वे लोग भिखारी के वेश में थे। इसलिए उन्हें कोई चिंता नहीं थी। परन्तु मन में डर बना था। यहां हथियार का कानून भी लागू नहीं था। इसीलिए लोग अपनी सुरक्षा के लिए हथियार रखते थे।
लेकिन थोङ्ला पहाड़ की उस दुर्गम चढ़ाई में जाना बहुत मुश्किल था। और उनका अगला पड़ाव लङ्कोर था जो वहां से करीबन 16 -17 मील की दूरी पर था ।इसीलिए दूसरे दिन उन्होंने (लेखक व उनके दोस्त सुमति ने) डाँडे की चढ़ाई घोड़े से की।

(i) ऊपर की चढ़ाई लेखक किसपर बैठ कर किए?

(क) घोड़े पर (ख) गाय पर (ग) बैल पर (घ) गधे पर

(ii) सुमति कौन था?

(क) मंगोल भिक्षु (ख) ल्हासा की यात्रा में लेखक का साथी
(ग) एक पुरोहित (घ) उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं

(iii) यहाँ खून होने पर खूनी को सजा क्यों नहीं मिल पाती?

(क) क्योंकि खून करने वाले शक्तिशाली आदमी हैं
(ख) क्योंकि वहाँ कोई न्यायालय नहीं है
(ग) क्योंकि खून करने वाले के खिलाफ कोई गवाह नहीं होता
(घ) क्योंकि यहाँ जमींदार की चलती है

प्रश्न 5. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित <u>तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों</u> के उत्तर लगभग 25 से 30 शद्बों में लिखिए- **(2X2 = 4अंक)**

(i) इतना तो हो ही गया कि नौ दस प्राणियों की जान बच गई। वे सब तो आशीर्वाद देंगें'-मोती के इस कथन के आलोक में उसकी विशेषताएँ बताइए।

(ii) 'दो बैलों की कथा' कहानी में प्रेमचंद ने गधे की किन स्वभावगत विशेषताओं के आधार पर उसके प्रति रूढ़ अर्थ 'मूर्ख' प्रयोग न कर किस नए अर्थ की ओर संकेत किया है?

(iii) तिब्बत में खेती की ज़मीन की क्या स्थिति है?'ल्हासा की ओर' पाठ के आलोक में स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (1X3= 3अंक)

खा-खाकर कुछ पाएगा नहीं,
न खाकर बनेगा अहंकारी।
सम खा तभी होगा समभावी,
खुलेगी साँकल बंद द्वार की।
थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमां।

ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।

(i) ललयद द्वारा रचित रचना को क्या कहते हैं?

(क) दोहा (ख) पद (ग) वाख (घ) सवैया

(ii) भोग और त्याग के बीच के मार्ग को अपनाने वाले को क्या कहते हैं?

(क) अहमभावी (ख) भोगी (ग) त्यागी (घ) समभावी

(iii) कवयित्री ईश्वर से क्या प्रार्थना करती है?

(क) धन देने की (ख) भवसागर पार कराने की
(ग) ज्ञान देने की (घ) हठयोग पर चलने की शक्ति देने की

प्रश्नः 7. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 - 30 शब्दों में लिखिए- (2X2 = 4अंक)

(i) कबीर की संकलित साखियों और पदों के आधार पर कबीर के धार्मिक और सांप्रदायिक सद्भाव संबंधी विचारों पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'जेब टटोली कौड़ी न पाई' के माध्यम से कवयित्री ने क्या कहना चाहा है? इससे मनुष्य को क्या शिक्षा मिलती है?

(iii) किसी भी व्यक्ति की पहचान उसके कुल से होती है या उसके कर्मों से? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(खंड - 'घ' रचनात्मक लेखन)

प्रश्न 8. नीचे दिए गए किसी एक विषय पर अनुच्छेद लिखिए | (5 अंक)

(क) . ' ग्लोबल वार्मिंग ' विषय पर दिए गए संकेत बिंदु के आधार पर अनुच्छेद लिखिए ।

संकेत बिंदु :-
- ग्लोबल वार्मिंग क्या है तथा कैसे होती है
- दुष्परिणाम
- बचाव तथा उपसंहार

(ख). ' इंटरनेट का जीवन में उपयोग ' विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए

संकेत बिंदु :-
- इंटरनेट क्या है ?
- लाभ-समय की बचत, शिक्षा में सहायक
- उपयोग के सुझाव

(ग). 'गया समय फिर हाथ नहीं आता' विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए ।

संकेत बिंदु :-
- समय ही जीवन है ।
- समय का सदुपयोग
- समय के दुरुपयोग से हानियाँ

प्रश्न 9. विद्यालय में दसवीं और बारहवीं कक्षा के अच्छे परिणामों पर प्रधानाचार्य को लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखकर सुझाइए कि उन्हें और अच्छा कैसे बनाया जा सकता है। (5 अंक)

अथवा

दिल्ली में सीलिंग के कारण पिता जी का कारोबार ठप्प हो गया है। मित्र को लगभग 120 शब्दों में एक पत्र लिखकर परिवार की परेशानियों का वर्णन कीजिए और आर्थिक सहायता का अनुरोध कीजिए ।

__________THE END__________